भा.कृ.अनु.प.–भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान

ICAR–Indian Institute of Farming Systems Research

मोदीपुरम, मेरठ–250 110 (उ०प्र०), Modipuram, Meerut - 250 110 (U.P)

फोन / Phone : 0121-288 8711, 288 8811, फैक्स / Fax : 0121-288 8546

ईमेल / Email: directoriifsr@yahoo.com

दिनांक– 03.08.2019

प्रेस विज्ञप्ति

कृषि प्रणाली संस्थान की आठवीं अनुसंधान सलाहकार समिति बैठक का आयोजन

भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ में दिनांक 2–3 अगस्त तक संस्थान की आठवीं अनुसंधान सलाहकार समिति की तीसरी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पूर्व उपमहानिदेशक डॉ. ए.के सिंह ने की। बैठक में डॉ. एस. भास्कर (सहायक महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली), प्रख्यात कृषि वैज्ञानिकों डॉ. एन. सारंगी, डॉ. एन. देवकुमार, डॉ. एस. रविशंकर, डॉ. यू.के. बेहरा, कृषक प्रतिनिधि श्री मोमराज गुर्जर सहित संस्थान के सभी वैज्ञानिकों ने भाग लिया। अनुसंधान सलाहकार समिति की इस दो दिवसीय बैठक में संस्थान द्वारा विगत वर्षो में किये गये शोध कार्यों की समीक्षा तथा आगे की दिशा व दशा पर चर्चा की गयी। संस्थान के निदेशक डॉ. आजाद सिंह पँवार ने सभी अतिथियों एवं वैज्ञानिकों का स्वागत किया तथा किसानों की खाद्य, पोषण, आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा हेतु विगत वर्षों में किये गये शोध कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं आगे की चुनौतियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि, कृषि प्रणाली संस्थान अब तक, देश के 23 राज्यों हेतु 45 कृषि प्रणाली मॉडल विकसित कर चुका है एवं 19 राज्यों के 63 कृषि प्रणाली मॉडल को अधिक उत्पादकता एवं आय हेतु परिष्कृत भी कर चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान द्वारा विकसित 15 कृषि प्रणाल मॉडल में देश के 17 कृषि जलवायवीय क्षेत्रों के किसानों की आय में 2 से लेकर 5 गुना तक आय बढ़ाने की क्षमता है। अध्यक्ष महोदय ने अपने संबोधन में संस्थान द्वारा किये जा रहे शोध कार्यो की प्रगति की प्रशंसा की तथा जीरो बजट प्राकृतिक खेती पर और गहन वैज्ञानिक अध्ययन; कृषि प्रणाली में उत्पादों के प्रारंभिक प्रसंस्करण द्वारा आय में वृद्धि; नये कृषि प्रणाली मॉडल अपनाने में कृषकों को हो रही कठिनाईयों; कृषि प्रणाली मॉडल को बाजार से जोड़ने एवं प्रिसीजन कृषि तकनीकों के कृषि प्रणाली मॉडल में सम्मिलित करने के सुझाव भी दिये। विदित हो कि, पेरिस समझौते के अंतर्गत, भारत ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 33–35 प्रतिशत की कमी करने पर सहमति जतायी है जो 2.5–3.0 बिलियन मेट्रिक टन कार्बन–डाईऑक्साइड के समतुल्य मानी गयी है। इस संदर्भ में समिति ने सुझाव दिया कि कृषि प्रणाली मॉडलों के द्वारा ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में हुई कमी को मापा जाये और

कार्बन को लम्बे समय तक संचयन हेतु इन मॉडलों में वन वृक्षों का समावेश करके वैज्ञानिक आंकड़े तैयार करें। इस दौरान समिति के सदस्यों डॉ. एन. सारंगी, डॉ. एन. देवकुमार, डॉ. एस. रविशंकर, डॉ. यू.के. बेहरा व श्री मोमराज गुर्जर ने कृषि प्रणली शोध को और अधिक ऊँचाईयों तक ले जाने और किसानों की आय में वृद्धि एवं आजीविका एवं पर्यावरण सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु अपने–अपने सुझाव दिये। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. प्रेम सिंह, डॉ. एल.आर. मीणा, डॉ. एन. रविशंकर एवं डॉ. आर.पी. मिश्र ने अपने–अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसपर समिति के सदस्यों ने शोध की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु अपने–अपने सुझाव दिये।

दिनांक 03 अगस्त 2019 को समिति ने प्रक्षेत्र प्रयोगों का भ्रमण किया एवं संस्थान के सिवाया फार्म पर वन महोत्सव के उपलक्ष्य पर बहुउद्देशीय पौधों का रोपण भी किया। इस दौरान मेरठ जनपद की जिला वन अधिकारी एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. आदिति शर्मा ने भी अपने हाथों से पौधरोपण का कार्य किया। पौधरोपण कार्यक्रम में संस्थान के सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया और 200 से अधिक बहुउद्देशीय पौधों का रोपण किया।

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक का संचालन सदस्य सचिव डा. पीयूष पुनिया ने किया। डॉ. ए.के. प्रुष्टि ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Plantation of multipurpose tree by Guest of Honour and DFO Meerut at IIFSR

Plantation of multipurpose tree by Hon'ble Chairman RAC and Ex. DDG NRM-ICAR at IIFSR

Plantation and watering in multipurpose tree by Hon'ble member of RAC at IIFSR